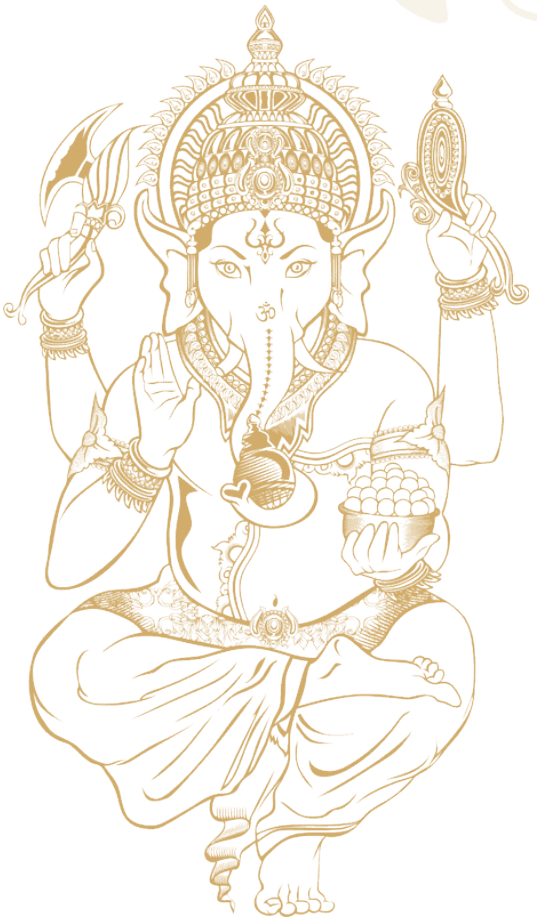

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121003106

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11-12/02/1972	जन्म तिथि	15/09/1974
शुक्र-शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 06:30:07	जन्म समय	12:35:00 घंटे
घटी 58:03:13	जन्म समय(घटी)	15:52:39 घटी
India	देश	India
Amritsar	स्थान	Saharanpur
31:35:00 उत्तर	अक्षांश	29:58:00 उत्तर
74:56:00 पूर्व	रेखांश	77:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:16	स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:16:49	सूर्योदय	06:04:02
18:13:27	सूर्यास्त	18:25:50
23:28:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:30:30

विंशोत्तरी शुक्र 8वर्ष 3मा 0दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शुक्र 14वर्ष 4मा 18दि
गुरु	13:22:23	मक	लग्न	वृश्चि	21:32:44	राहु
14/05/2021	28:56:32	मक	सूर्य	सिंह	28:33:30	02/02/2012
14/05/2037	21:09:57	धनु	चंद्र	सिंह	17:04:41	02/02/2030
गुरु 02/07/2023	07:29:22	मेष	मंगल	कन्या	08:06:30	राहु 15/10/2014
शनि 12/01/2026	24:56:25	मक	बुध	कन्या	20:12:02	गुरु 10/03/2017
बुध 19/04/2028	07:29:31	धनु	गुरु व	कुंभ	18:08:01	शनि 15/01/2020
केतु 26/03/2029	08:27:28	मीन	शुक्र	सिंह	14:58:41	बुध 03/08/2022
शुक्र 25/11/2031	06:14:04	वृष	शनि	मिथु	23:29:39	केतु 22/08/2023
सूर्य 12/09/2032	11:45:12	मक	राहु व	वृश्चि	20:35:23	शुक्र 22/08/2026
चन्द्र 12/01/2034	11:45:12	कर्क	केतु व	वृष	20:35:23	सूर्य 16/07/2027
मंगल 19/12/2034	24:40:19	कन्या व	हर्ष	तुला	02:25:39	चन्द्र 14/01/2029
राहु 14/05/2037	11:37:13	वृश्चि	नेप	वृश्चि	13:32:14	मंगल 02/02/2030
	08:11:00	कन्या व	प्लूटो	कन्या	12:36:55	

लग्न-चलित

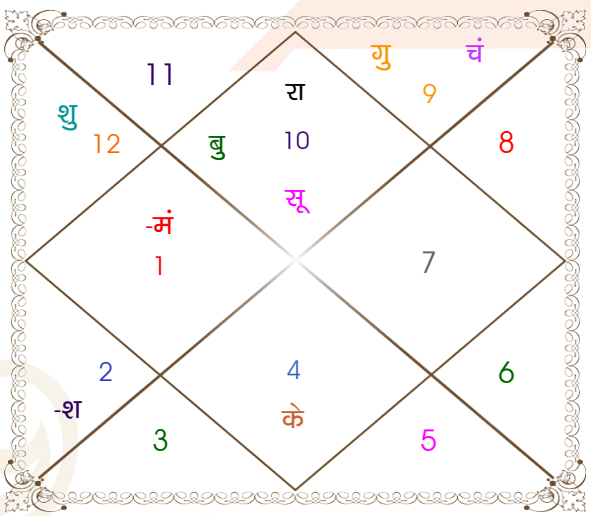

लग्न-चलित

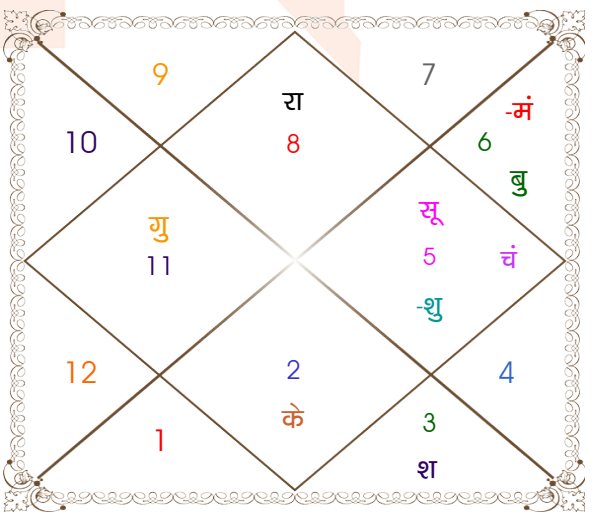

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।